

an>

Title: Need to take necessary measures to grant permanent citizenship to Hindus migrated from Pakistan and presently living in Rajasthan on long term visas.

कर्नल सोनाराम चौधरी (बाड़मेर) : पाकिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न का शिकार होकर हजारों हिन्दू शरणार्थी आठ साल से भारत की नागरिकता पाने के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। वे भारत में आये तो बेहतर ज़िंदगी की तलाश में, लेकिन यहां उनकी तकलीफों से किसी को कोई सरोकार नहीं है, ऐसा लग रहा है। राजस्थान में अंतिम बार 2007 में विस्थापितों को नागरिकता मिली। तब से लेकर अब तक पड़ोसी देश पाकिस्तान में हालात खराब ही हुए हैं। पाक में हिंदुओं की हालत खराब है। इसलिए हर रविवार को पाक से आने वाली थार एक्सप्रेस में अपनी जान एवं आबरू को बचाने हेतु कुछ कपड़ों एवं बर्तनों के साथ यात्री उतर रहे हैं। ये लोग अपने रिश्तेदारों या परिचितों के साथ राजस्थान ही आते हैं। कमोबेश यही स्थिति गुजरात, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में भी है। राजस्थान के जोधपुर, अजमेर एवं जयपुर में यदि देखा जाये तो 5000 से ज्यादा पाक शरणार्थी हैं जो गत 7-8 वर्षों से भटक रहे हैं। उनके दर्द का अहसास उनके चेहरों से किया जा सकता है। राजस्थान में मुख्य रूप से पाक के सिंध और अपर सिंध प्रांत के लोग विस्थापित होकर आ रहे हैं। इनमें से 50 प्रतिशत थारपाकर जिले से आये हैं, जो अमरकोट, मीरपुरखास, मिर्झी, दीपकों, चेलार, नगरपाकर, सांगर, नवाबशाह दादर, सखर, डैदराबाद और कराची से हैं। इनमें मुख्य रूप से सोढ़ा राजपूत, सिंधी लोहाणा, पुष्करणा एवं श्रीमाली ब्राह्मण, माधेश्वरी, राजपुरोहित, जाट, मेधवाल, भील, कोलीफ कोड, सुथार, दर्जी एवं चारण हैं। इसमें से 80-90 प्रतिशत मेरे संसदीय क्षेत्र के हैं और जो विभाजन के बाद रिश्तेदारों से दूर हुए हैं। ये लोग लॉग टर्म वीजा पर आ रहे हैं। इनके दर्द का कोई छोर नहीं है। इनको न नौकरी मिलती है, न बैंक खाता खुलता है, न ही आवश्यक कार्य हो पा रहे हैं, एक लाचार बेबस की ज़िंदगी जी रहे हैं। 2007 में 13 हजार शरणार्थियों के दर्द को समझते हुए भारत सरकार ने राजस्थान के पाक विस्थापितों को नागरिकता प्रदान करने हेतु जिला कलेक्टरों को विशेष अधिकार दिए थे, जिससे उनको सम्मान की ज़िंदगी जीने का हक मिला था। मुझे पसन्नता है कि ख्याति प्राप्त गायक अदनान सामी को मई 7 माह में भारतीय नागरिकता प्रदान की गई है। इसी प्रकार उक्त शरणार्थी जो 7-8 साल से भटक रहे हैं, उनको भी नागरिकता प्रदान की जाये। अतः आग्रह है कि 2004-05-06 में जिस प्रकार भारत सरकार ने पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने हेतु जिला कलेक्टरों को जो अधिकार प्रदान किये थे वही शक्तियां पुनः प्रदत्त कर खानाबदोश की ज़िंदगी जीने वाले इन पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने के निर्देश दिये जाने चाहिए। मेरा प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री महोदय से निवेदन है कि मानवीय आधार पर इन पाक विस्थापित शरणार्थियों को भारत की नागरिकता प्रदान करने की दिशा में कारगर कदम उठाने चाहिए।